B.Ed 1st Year

unit V th.

मीडिया तथा महिला – मीडिया आधुनिक समाज के सशक्तिकरण का एक प्रमुख माध्यम साधन है। समाज पर मीडिया द्वारा किए जाने वाले प्रभाव सभी क्षेत्रों में स्पष्ट है। किन्तु के संबंध में हम देखते हैं कि मीडिया आधुनिक भूमिकाओं के निर्माण में सहायक होता है परन्तु मीडिया द्वारा समकालीन समाज के मूल्यों और विचारों को प्रदर्शित करते हुए महिला की परिस्थिति एवं अस्मिता को विकृत भी किया है। मीडिया के प्रस्तुत छवियाँ पूर्वाग्रहों, रूढ़ियों तथा पुरुषवादी दृष्टिकोण से प्रेरित होती हैं। मीडिया के विभिन्न माध्यमों में स्त्री को जिस रूप में दिखाया जाता है वह [illegible] स्त्री की [illegible] में इस प्रकार प्रस्तुत [illegible] की स्थिति में [illegible] का महत्वपूर्ण कारण है।

स्वतंत्रता के पश्चात भारत में मीडिया प्रमुख [illegible] रहा है [illegible] महिला [illegible] पर [illegible] किये जाते हैं। [illegible] के लिए [illegible] को [illegible] पर [illegible] शरीर का [illegible] करते हैं जिससे मीडिया का [illegible] भी [illegible] हुआ है। [illegible] मीडिया के [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] आदि सभी [illegible] पर [illegible] का [illegible] है।

[illegible] समाज के गठन [illegible] है

Paper: Gender School and Soci..

कि महिलाएँ स्वयं आगे आकर मीडिया से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में [illegible] संभाले और समाचार के माध्यमों से नारी की [illegible] छवि सुधारें तथा इन साधनों का प्रयोग नारी उत्थान एवं सशक्तिकरण सशक्तीकरण के लिए करें। कई मामलों में ऐसा भी हो रहा है। मीडिया के माध्यम से भी अच्छे और शक्तिशाली महिलाओं की छवि प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे समाज की अन्य महिलाओं में आत्मविश्वास का नया संचार उत्पन्न हो रहा है। जिससे महिलायें अंदर से मजबूत हो रही हैं तथा आत्मविश्वास से भरकर अबला, कमजोर, आश्रित का चोली तोड़कर स्वावलम्बी आत्मनिर्भर [illegible] की तरफ आगे की ओर अग्रसर हो रही है।

मीडिया के माध्यमों द्वारा महिलाओं को विचार स्वतंत्रता हेतु मंच प्रदान किया जा रहा है जो उनसे सम्बन्धित मुद्दों पर न्याय पाने और न्याय नहीं मिलने जैसी होने की स्थिति में व्यवस्था पर दबाव समूह के रूप में कार्य करती है। मीडिया चैनलों में समाचार संवाददाता, समाचार प्रस्तोता, समाचार विश्लेषक जैसे चुनौतीपूर्ण उत्तरदायित्व का निर्वहन कर समाज के सामने अनुकरणीय आदर्श उपस्थित कर रही हैं।

इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं प्रिंट मीडिया ने कानूनों, सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं

10:18 am

Scanned with CamScanner

B.Ed → 1st Year

Paper - Gender School and Socity

(3)

एवं इससे संबंधित विस्तृत सूचनाओं को अपने विभिन्न कार्यक्रमों एवं फेड कैंपेन के माध्यमों से महिलाओं तक पहुंचाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मीडिया की भूमिका महिला सशक्तीकरण की दिशा मे एक बहुत और आसान दोनों के रूपों मे है। लिंग से सम्बन्धित सभी मुद्दे को तो किसी भी रूप मे महिलाओ को प्रभावित करते है चाहे वह उनकी समस्याओं से या उनके समाधान से। मीडिया समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाकर समाज को जागरूक करता है। जब शोषण की शिकार व शोषित नारियों को सरकार, पुलिस एवं न्यायालय से न्याय नही मिल पाता है तो उन मामलों मे जनमत निर्माण कर दबाव समूह के रूप मे न्याय का मार्ग प्रशस्त करता है।

वर्तमान समय मे मीडिया की पहुँच घर-घर तक है इसलिए मीडिया की समालोचनात्मक दृष्टि बढ़ जाती है। समालोचना से तात्पर्य है - सम्यक् आलोचना। मीडिया से वांछित है कि वह किसी भी घटना, विचारादि का निष्पक्ष, निस्पृह और बिना किसी बोझ के दबे, उसका झुकाव किसी विशेष की ओर न होकर तथ्यों के आधार पर सूचनाओं का प्रसारण हो।

स्वतंत्रता के पश्चात मीडिया ने स्वास्थ्य, शिक्षा, सरकारी नीतियों से जनता

10:18 am

Scanned with CamScanner

BEd → 1st Year

Paper : Gender School and Socity

4)

को अवगत कराया है। व्यापी तकनीकी विस्तार के कारण मीडिया की समालोचनात्मक समझ और भी महत्वपूर्ण हो गई है। अतः मीडिया की समालोचनात्मक समझ के लिए आवश्यक है कि वह समय-समय पर कार्यशाला, सेमिनार, सिम्पोजियम, आदि का आयोजन करें। मीडिया को सशोधित न होकर कुछ उचित मानकों का पालन करना चाहिए। मीडिया के क्षेत्र में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों के योग्यता का परीक्षण होना आवश्यक है। खबरों को सनसनी व T.R.P बढ़ाने वालों पर सख्त कार्यवाही हो तथा शिकायत एवं सुझाव के लिए व्यवस्था हो।